

---

.. ambAnavamaNimAlA ..

॥ अम्बानवमणिमाला ॥

---

वाणीं जित सुखदाणीं अलिकुल वेणीं भवाम्बुधित्रोणीम् ।  
वीणां सुखशिशुपाङ्गिणं नत कीर्वाणीं नमामि सर्वाणीम् ॥ १ ॥  
कुवलय दल नीलाङ्गीं कुवलयाक्षैक दीक्षित पाङ्गीम् ॥  
लोचन विजित कुरङ्गीं मातङ्गीं नौमि शङ्करार्धाङ्गीम् ॥ २ ॥  
कमला कमलज कान्ता कलसारसदत्त कान्त करकमलकं ।  
करयुगल विद्रुत कमलां विमलां कमलाङ्ग चूड सकलकलाम् ॥ ३ ॥  
सुन्दर हिमकर वदनां कुन्द सुरतनां मुकुन्द निधि सदानाम् ।  
करुनोज्ज्वित मदनां सुर कुसलय सुरेशु कृत कदनाम् ॥ ४ ॥  
तुङ्ग स्तन जित कुम्भां कृत परिरम्भां शिवेन गुह दिम्भाम् ।  
धरित शुम्भ निशुम्भां नर्तित रम्भां पुरो विगदम्भाम् ॥ ५ ॥  
अरुणाधर जित बिम्बां जगदम्बां गमन विजि कडम्भाम् ।  
पालित सुजन कडम्बां पृतुल निदम्बां भजे सहेरम्भाम् ॥ ६ ॥  
शरणागत जनभरणां करुणा वरुणालयां नवावरणाम् ।  
मणिमय दिव्यभरणां शरणाम्भोजध सेवकोत्तरणाम् ॥ ७ ॥  
नथ जन रक्षां दक्षां प्रत्यक्ष दैवताद्यकाहाम् ।  
वही कृत हर्यक्षां क्षपि दवि पक्षां सुरेषु कृत रक्षाम् ॥ ८ ॥  
धन्यां सुरवमान्यां हिमगिरितनयां त्रिलोक मूर्धन्याम् ।  
विहृत सुरद्रुमवन्यां वेसि विन त्वां न देवतास्वन्याम् ॥ ९ ॥  
एतां नवमणिमालां पतन्ति भक्त्येह ये परासक्त्याः ।  
तेषां वदने सदाने नृत्यति वणि रमा च परम मुदा ॥ १० ॥  
पातय वा पाताले स्थापय वा सकल भुवन साम्राज्ये ।  
मातस्तव पाद युगलं नाहं मुञ्चामि नैव मुञ्चामि ॥ ११ ॥

---

Encoded by Maniam Varagoor maniamvaragoor at yahoo.com  
and corrected by Sunder Hattangadi sunderh at hotmail.com

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)  
Last updated October 3, 2010  
<http://sanskritdocuments.org>